विवेकानंद संस्थान की उपलब्धियां बताई

स्थापना दिवस

अल्मोड़ा | संवाददाता

विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के 98वें स्थापना दिवस पर विचार गोष्ठी हुई। इसमें सचिव कृषि अनुसंधान व शिक्षा तथा निदेशक आईसीएआर भारत सरकार डॉ. त्रिलोचन महापात्रा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

उन्होंने संस्थापक प्रो. बोसी सेन के योगदान को याद किया। संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कांत ने गत वर्ष की उपलब्धियों को रखा। कहा कि एक साल में 10 किस्में अधिसूचित, 02 किस्में विमोचित तथा 05 किस्मों की पहचान की गई। देश के 24 राज्यों ने किस्मों का प्रसार तथा 16 राज्यों में संस्थान में विकसित मसीनों पहुंचाई गई। कार्यक्रम में रामकृष्ण कुटीर, अल्मोड़ा के अध्यक्ष स्वामी ध्रुवेशानंद के साथ ही पूर्व निदेशक मौजूद रहे। डॉ. जेके बिष्ट ने धन्यवाद ज्ञापित किया जबकि समन्वय वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रेनू जेठी व डॉ. कुशाग्र जोशी ने किया।

वीपीकेएस के स्थापना दिवस पर मौजूद निदेशक डॉ.लक्ष्मीकांत व अन्य। • हिन्दुस्तान

प्रोटीनयुक्त सफेद मंडुवे की खासी मांग

प्रोटीनयुक्त सफेद मंडुवे की खासी मांग

अल्मोड़ा | संवाददाता

विवेकानंद कृषि अनुसंधान शाला अल्मोड़ा में कोरोना काल के बीच शोध कार्य जारी रहा। संस्थान में पिछले एक साल में सफेद मडुंवे के साथ ही मक्का, चुआ और टमाटर के प्रोटीनयुक्त बीज किए तैयार किए जा रहे हैं। सफेद मडुंवे के बीज की खासी मांग हो रही है। इसके साथ कुल अनाज और सब्जी के 10 बीजों को अधिसूचित किया गया है।

जानकारी के अनुसार संस्थान के वैज्ञानिकों ने सफेद मंडुवे का बीज तैयार किया है। वीएल मडुंवा 382 नाम से बने इस बीज से पैदा होने वाला मंडुवा सफेद होता है। इसमें कैल्सियम और प्रोटीन की मात्रा सामान्य से अधिक है और इससे बनने वाले उत्पाद अधिक आकर्षक होते हैं। इसके चलते इसकी खासी मांग हो रही है। वहीं, भुट्टे के वीएलक्यूपीएम हाइब्रिड 59 बीज तैयार किया है। यह आम भुट्टे की बीज से अलग है। इससे पैदा होने वाले भुट्टे में ट्रिप्टोफन और लाइसिन मिलेगा, इसको खाने से मसल में बनने वाले टिशू को बेहतर कर सकते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा होता है। वहीं, चौलाई (चुआ) के लिए वीएल चुवा 110 तैयार किया गया है। इसमें कैल्सियम की मात्रा सामान्य बीज से काफी अधिक है। संस्थान ने इसके साथ ही टमाटर की वीएल चेरी टोमेटो1 बीज तैयार किया है। इसमें सामान्य टमाटर से विटामिन सी की मात्रा काफी हद तक अधिक है। यही नहीं धान और मटर सहित कुल 10 प्रजाति के अन्य बीज भी तैयार किए हैं। प्रदेश सरकार के कृषि विभाग इन बीजों को काश्तकारों तक पहुंचाने का काम करेंगे।

शोध

- मक्का, चुआ और टमाटर के पौष्टिकता वाले बीज तैयार
- सब्जी और अनाज की कुल 10 प्रजातियां अधिसूचित

"संस्थान उन्नत कृषि के लिए शोध कार्य जारी रखे हुए है। कोरोनाकाल में भी वैज्ञानिक गाइडलाइन का पालन करते हुए अपने दायित्व में जुटे हुए हैं। गत वर्ष की उपलब्धियों पर आईसीएआर के उच्चाधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया है। - डॉ. लक्ष्मी कांत, निदेशक वीपीकेएस